जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 29 संख्याः 222 प्रभात अजमेर, बुधवार 12 मार्च, 2025 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

ज़ैलैंस्की दो पाटों के बीच पिस रहे हैं !

एक तरफ तो यूक्रेन की जनभावना है, कि, किसी भी कीमत पर, रुस के सामने घुटने नहीं टेकने हैं, दूसरी तरफ कटु सत्य है, कि, अब ज्यादा दिन युद्ध नहीं कर सकता यूक्रेन

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 मार्च। युद्ध की तीव्र हवाएं यूक्रेन पर कहर बरपा रही हैं, ऐसे में राष्ट्रपति वोलोदोमिर ज़ैलैंस्की तलवार की धार पर चल रहे हैं। उनका देश दो वर्षों के लगातार युद्ध के बाद टूट चुका है, पश्चिमी समर्थन डगमगा रहा है, जो किसी समय यूक्रेन के समर्थन में अडिग था। साथ ही साथ घरेलू धैर्य कम हो रहा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति, अपने लोगों के हठीले रुख और भू-राजनीतिक वास्तविकताओं के बीच फंसे हुए हैं। हर निर्णय, जो वो लेते हैं, उसके गंभीर परिणाम होते हैं- एक भी गलत कदम यूक्रेन को एक लंबे युद्ध की खाई में या फिर अस्थिर शांति के गर्त में धकेल सकता है।

यूक्रेन की जनता पूरी क्षेत्रीय अखंडता की मांग पर अडिग है, जिसमें क्रीमिया और डोन्बास की वापसी भी शामिल है। किसी भी प्रकार का क्षेत्रीय समझौता घरेलू विद्रोह पैदा कर सकता है और ज़ैलैंस्की की राजनीतिक स्थिति को कमज़ोर कर सकता है। हालांकि,

- अगर ज़ैलैंस्की समझौता करते हैं, तो जनता यह निर्णय स्वीकार नहीं करेगी, और उनके ही देश में उनका जन समर्थन कमज़ोर पड़ेगा।
- पर, यह भी सच है, कि, अगर शांति वार्ता शुरु नहीं की, तो, रुस के खिलाफ युद्ध अधिक समय नहीं खींचा जा सकेगा। सेना दो साल से चल रहे युद्ध के बाद काफी थक गई है।
- ज़ैलैंस्की क्या, इस दुविधा में संतुलन बिठा पायेंगे। खासतौर पर, पुराने प्रबलतम मददगार अमेरिका का रुख भी अब काफी परिवर्तित है। पूर्ण विश्वास से नहीं कहा जा सकता कि, अमेरिका, साथ खड़ा रहेगा युद्ध में।

जैसे-जैसे युद्ध लंबा होता जा रहा है, थकावट स्पष्ट रुप से दिखाई दे रही है। मोर्चे पर सैनिक थक चुके हैं और नागरिकों को बिजली की कमी, आर्थिक संकट तथा लगातार मिसाइल हमलों का सामना करना पड़ रहा है। अब कई लोग यह सवाल भी उठ रहे हैं कि क्या पूर्ण विजय का लक्ष्य रखना व्यवहारिक है या फिर समझौता वार्ता के बारे में विचार करना चाहिए।

ज़ैलैंस्की के सामने जो चुनौतियाँ हैं, उन्हें पश्चिम के अस्थिर समर्थन ने और जटिल बना दिया है। एक समय के यूक्रेन के सबसे मजबूत सहयोगी, अमेरिका ने सैन्य सहायता रोक दी है और वॉशिंगटन में राजनीतिक प्रतिरोध, विशेष रुप से ट्रंप समर्थक रिपब्लिकन पार्टी द्वारा, ने यूक्रेन के युद्ध प्रयासों को खतरे में डाल दिया है। यदि यू.एस. का सपोर्ट और कम हुआ, तो ज़ैलैंस्की को यूरोपीय देशों पर और अधिक निर्भर करना होगा, जबकि, इन देशों के स्वयं के संसाधन और प्रतिबद्धताएं दबाव में हैं।

इस बीच, कूटनीतिक प्रयासों को गति मिल रही है। यूक्रेन ने सउदी के नेतृत्व वाली शांति वार्ता में भाग लिया है, जिसमें, रुस के साथ एक नौसैनिक और हवाई संघर्ष विराम का प्रस्ताव है। इससे अस्थाई राहत तो मिल सकती है, लेकिन, किसी भी प्रकार के रुस के क्षेत्रीय नियंत्रण से सहमत होने को यूक्रेन की संप्रभुता के खिलाफ माना जा सकता है। ज़ैलैंस्की को फूंक-फूंक कर कदम रखना होगा- वे अपने आपको अपनी जनता के सामने कमज़ोर नहीं दिखा सकते और न युद्ध भूमि पर अकेले खड़े रहने का जोखिम उठा सकते हैं।

धरातल पर स्थिति और अधिक कठिन हो रही है। सर्दी का मौसम और सैनिकों की थकान ने यूक्रेन की जवाबी कार्यवाही को धीमा कर दिया है, जिससे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केजरीवाल को बड़ा झटका, दर्ज होगी एफ.आई.आर.

नई दिल्ली, 11 मार्च। आम आदमी पार्टी के मुखिया और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। दिल्ली एक अदालत ने अरविंद केजरीवाल के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए कहा है। यह मामला सरकारी पैसों के कथित दुरुपयोग से जुड़ा है। दिल्ली की राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और अन्य के खिलाफ सार्वजनिक धन के दुरुपयोग के मामले में एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है।

पूरा मामला साल 2019 में द्वारका में बड़े होर्डिंग लगाने का है। कोर्ट ने

- साल 2019 में द्वारका में बड़े होर्डिंग लगाने में भ्रष्टाचार के मामले में राउज़ एवेन्यु कोर्ट ने केजरीवाल पर एफ.आई.आर. दर्ज करने का आदेश दिया है।

द्वारका साउथ पुलिस को 18 मार्च तक अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। केजरीवाल के अलावा पूर्व विधायक गुलाब सिंह और पार्षद नितिका शर्मा भी आरोपी हैं। होली के बाद एफआईआर दर्ज होने की उम्मीद है। राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए ये फैसला सुनाया।

कोर्ट ने माना कि केजरीवाल और अन्य नेताओं पर मामला बनता है। कोर्ट ने 156(3) सीआरपीसी के तहत याचिका स्वीकार कर ली। द्वारका साउथ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जेडीए के अधीक्षण अभियंता के पास 25 कॉलोनियों में 50 से ज्यादा मकान

एंटी करप्शन ब्यूरो की रेड में हुए कई सनसनीखेज खुलासे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 11 मार्च। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) जयपुर विकास प्राधिकरण के अधीक्षण अभियंता अविनाश शर्मा के दर्जनभर ठिकानों पर सर्च की कार्रवाई कर रही है। एसीबी को अविनाश शर्मा के पास 25 कॉलोनियों में 50 से ज्यादा सम्पत्तियाँ, बैंक खातों में करीब 30 लाख रुपए तथा म्यूचुअल फंड में करीब 90 लाख रुपए के निवेश की जानकारी भी मिली है। अविनाश शर्मा के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने की एक गोपनीय शिकायत मिलने के बाद एसीबी एक्टिव हुई और जानकारी जुटाई। पुख्ता सबूत मिलने के बाद, आज एसीबी की अलग-अलग टीमों ने अभियंता के दर्जनभर ठिकानों पर तलाशी अभियान शुरू किया है। अनुसंधान अधिकारी, एसीबी के एएसपी ज्ञानप्रकाश नवल के नेतृत्व में यह सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। अभियंता के ठिकानों के अलावा जेडीए कार्यालय में भी तलाशी अभियान जारी है।

एसीबी के डीजी डॉ. रविप्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि सूत्रों और गोपनीय सत्यापन से संदिग्ध अधिकारी द्वारा, राजकीय सेवा में नियुक्त होने से लेकर अब तक, करीब 6.25 करोड़ रुपए की

- अभियंता के बैंक खातों में 30 लाख रूपए तथा म्यूचुअल फंड में 90 लाख रूपए के निवेश के दस्तावेज भी मिले हैं।
- एसीबी ने एक गोपनीय शिकायत के आधार पर प्रारंभिक जाँच की, फिर पुख्ता सबूत मिलने के बाद अलग-अलग टीमें बनाकर अभियंता के दर्जन भर ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया।

परिसंपत्तियां अर्जित करने की जानकारी सामने आई है, जो वैध आय से 253 प्रतिशत ज्यादा है। अभियंता अविनाश शर्मा द्वारा जयपुर में गोपालपुरा मोड़, मानसरोवर, सांगानेर, पृथ्वीराज नगर क्षेत्र, जगतपुरा, प्रतापनगर और रिंग रोड के आस-पास 25 से अधिक कॉलोनियों में 50 से ज्यादा संपत्तियां खरीदने की जानकारी सामने आई है।

प्रारंभिक तौर पर सामने आया है कि अभियंता ने जेडीए में पदस्थापन के दौरान भ्रष्टाचार करते हुए गृह निर्माण समितियों और बिल्डर्स को लाभ पहुंचाने के बदले, काफी कम दरों पर और पारितोषिक के रूप में भूखंड लिए। खरीद के समय उनकी वास्तविक कीमत करोड़ों रुपए में थी। अभियंता व उसके परिजनों के 7 बैंक खातों में करीब 30 लाख रुपए जमा होने की भी जानकारी मिली है।

सामने आया है कि अभियंता अविनाश शर्मा ने बेटियों की पढ़ाई पर 50 लाख रुपए से ज्यादा खर्च किया है। इसके साथ ही म्यूचुअल फंड में करीब 90 लाख रुपए के निवेश की जानकारी भी मिली है। दुपहिया और चौपहिया वाहनों की कीमत करीब 25 लाख रुपए है। उन्होंने बताया कि गोपालपुरा मोड़ पर हिम्मत नगर, जेडीए के अधीक्षण अभियंता कार्यालय और विभिन्न जोन कार्यालय, बदरवास में कीर्ति सागर स्थित प्लॉट, जगतपुरा स्थित इनकम टैक्स कॉलोनी स्थित प्लॉट, मंगियावास स्थित किंजल कॉलोनाइज़र प्राइवेट लिमिटेड, सैक्रेड कॉलोनाइज़र प्राइवेट लिमिटेड, नीलकंठ रिअल एस्टेट के कार्यालय, मालवीय नगर के प्रधान मार्ग स्थित मकान, बदरवास के राठी नगर स्थित प्लॉट पर एसीबी तलाशी ले रही

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पाकिस्तान में आतंकियों ने ट्रेन हाईजैक की, 182 यात्रियों को बंधक बनाया

ब्लूचिस्तान के संगठन बीएलए ने घटना की जिम्मेवारी ली है

इस्लामाबाद, 11 मार्च। पाकिस्तान में मंगलवार को आतंकियों ने एक ट्रेन को ही हाइजैक कर लिया। इस ट्रेन में 450 से अधिक यात्री सवार थे।

जानकारी के अनुसार आतंकवादियों ने दक्षिण-पश्चिमी पाकिस्तान में जाफर एक्सप्रेस को निशाना बनाया और उसपर गोलीबारी की। इस गोलीबारी में ट्रेन का चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद आतंकियों ने ट्रेन को हाईजैक कर लिया।

इस हमले को लेकर बलूचिस्तान प्रांत की स्वतंत्रता की मांग करने वाले बीएलए ने कहा कि उसने 20 सैनिकों को और एक ड्रोन को मार गिराया। बीएलए ने दावा कि उसने 182 लोगों को बंधक बना लिया है। आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों के क्षेत्र से नहीं हटने पर

- जाफर एक्सप्रैस ट्रेन, क्वेटा से पेशावर जा रही थी और इसमें 450 यात्री सवार थे। जिसमें पाकिस्तानी सेना, आई.एस.आई. पुलिस व एटीएफ के कर्मी भी शामिल थे। इन सभी 182 लोगों को बंधक बना लिया गया है।
- बीएलए ने धमकी दी कि अगर पाकिस्तान ने उनके ठिकानों पर ड्रोन व हैलिकॉप्टर हमले बंद नहीं किए तो इन 182 लोगों को मार दिया जाएगा।

उन्हें जान से मारने की धमकी दी है।

अधिकारियों ने बताया कि जाफर एक्सप्रेस ट्रेन क्वेटा से खैबर पख्तूनख्वा के पेशावर जा रही थी, तभी उस पर गोलीबारी की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस हमले में 20 लोगों के मारे जाने की खबर है।

बीएलए के प्रवक्ता जीयंद बलूच के मुताबिक उसके लड़ाकों का जाफर एक्सप्रेस पर पूरा नियंत्रण है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बंधकों में पाकिस्तानी सेना, पुलिस, आईएसआई और एटीएफ के सक्रिय-ड्यूटी कर्मी शामिल हैं, जो सभी छुट्टी पर जा रहे थे।

उन्होंने बताया कि आम यात्रियों,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'100 और 200 के नए नोट जारी किए जाएंगे'

मुंबई, 11 मार्च। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) जल्द ही महात्मा गांधी (नई) श्रृंखला में 100 और 200 रुपये मूल्य के नए बैंक नोट जारी करेगा। आरबीआई के मुख्य महाप्रबंधक पुनीत पंचोली ने मंगलवार को बताया कि इन नए नोटों पर रिजर्व बैंक गवर्नर संजय मल्होत्रा के हस्ताक्षर होंगे। इन नए नोटों

- आर.बी.आई. सूत्रों ने कहा, नए नोट महात्मा गांधी श्रृंखला के होंगे जिन पर नए गवर्नर संजय मल्होत्रा के हस्ताक्षर होंगे। नए नोट आने पर भी पुराने नोट प्रचलन में रहेंगे।

का डिज़ाइन मौजूदा महात्मा गांधी (नई) श्रृंखला के 100 और 200 रुपये के नोटों के समान होगा। यानी, उनके रंग, पैटर्न, और सुरक्षा विशेषताएं वर्तमान नोटों के अनुरूप रहेंगी।

आरबीआई ने स्पष्ट किया है कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'क्या ठोकना है, हम ठीक से ठोकेंगे, सरकार को भी ठोकेंगे?'

राज्यसभा में खड़गे की इस टिप्पणी पर भारी हंगामा हुआ

नई दिल्ली, 11 मार्च। संसद में चल रहे बजट सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को राज्यसभा सांसद व कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के "ठोकेंगे" वाले बयान जमकर हंगामा हुआ। संसद के उच्च सदन में उप सभापति हरिवंश ने दिग्विजय सिंह को बोलने के लिए कहा, लेकिन मल्लिकार्जुन खड़गे खड़े हो गए। इस पर उप सभापति ने टोकते हुए कहा कि आप पहले ही बोल चुके हैं।

असल में खड़गे देश भर में चल रहे परिसीमन पॉलिटिक्स और नई शिक्षा नीति पर कुछ कहना चाहते थे। हालांकि इससे पहले वो बोल चुके थे पर खड़गे का कहना है कि उनके भाषण के दौरान विभागीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान सदन में उपस्थित नहीं थे।

उप सभापति द्वारा टोके जाने पर कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा-'ये क्या डिक्टेटरशिप है। मैं हाथ जोड़कर आपसे

- राज्यसभा में केन्द्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा ने खड़गे के बयान की कड़ी आलोचना की और कहा, उपसभापति के लिए ऐसी भाषा का प्रयोग स्वीकार्य नहीं है।
- खड़गे ने खड़े होकर उपसभापति से माफी मांगी और कहा, उनका इशारा सरकार की नीतियों की तरफ था।
- विवाद की शुरुआत तब हुई, जब राज्यसभा में उपसभापति ने दिग्विजय सिंह को बोलने के लिए कहा, पर, खड़गे खड़े हो गए, जिस पर उपसभापति ने टोका तो खड़गे ने उक्त टिप्पणी की।

बोलने की अनुमति मांग रहा हूं।' इस पर हरिवंश ने कहा- अभी दिग्विजय सिंह के बोलने का मौका है, इसलिए आप बैठ जाइए। इसके बाद खड़गे ने कहा- वो तो बोलेंगे ही, लेकिन आपको क्या-क्या ठोकना है हम ठीक से ठोकेंगे, सरकार को भी ठोकेंगे। जब हरिवंश ने खड़गे के बयान पर आपत्ति जताई तो उन्होंने कहा कि हम सरकार की नीतियों को ठोकने की बात कर रहे हैं।

खड़गे के इस बयान पर केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि नेता विपक्ष की ओर से उप सभापति के लिए इस तरह की भाषा स्वीकार्य नहीं है। उनको मांफी मांगनी चाहिए। इसके साथ उन्होंने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नागौर में दो भीषण सड़क हादसों में 7 की मौत, 26 घायल

नागौर, 11 मार्च (निसं)। नागौर जिले में हुये दो अगल-अलग भीषण सड़क हादसों में सात लोगों की मौत हो गई। इनमें तीन लॉ कॉलेज के स्टूडेंट थे। पहला हादसा बीकानेर रोड पर बाराणी गांव के पास हुआ, जहां कार पलटने से चार युवकों की मौत हो गई। हादसे में दो युवक गंभीर घायल हो गए। मृतकों में चारों युवक बाराणी गांव के ही निवासी हैं। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद बीकानेर रैफर किया गया।

जानकारी के अनुसार, सोमवार देर रात्रि में कार अनियंत्रित होकर पलट गई, जिससे यह हादसा हुआ है। जेएलएन अस्पताल चौकी इंचार्ज जगदीश बिश्नोई ने बताया कि हादसे में कार कई बार पलटी और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। सदर थाना क्षेत्र के बाराणी गांव के

- पहले हादसे में बाराणी गाँव के पास कार पलटने से चार युवकों की मौत हो गई, दो घायल हो गए।
- दूसरे हादसे में नागौर-लांडनू राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्लीपर बस ट्रक से टकराई, जिसमें सवार तीन लॉ स्टूडैंट्स की मौत हो गई, 24 घायल हो गए। तीनों युवक जोधपुर नैशनल युनिवर्सिटी के छात्र थे।

पास हुए हादसे में कार सवार बाराणी निवासी सुशील जाट, मेहराम जाट, 32 वर्षीय महेन्द्र और रेवंतराम की मौत हो गई। वहीं, दुर्घटना में बाराणी के ही 25 वर्षीय महेन्द्र पुत्र नेनाराम और 25 वर्षीय दिनेश पुत्र मांगीलाल गंभीर घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए बीकानेर रेफर किया गया है।

वहीं, नागौर जिले के डेह कस्बे के पास नागौर-लाडनूं राष्ट्रीय राजमार्ग पर मंगलवार सुबह करीब 5:30 बजे बड़ा हादसा हो गया। हादसे में एक स्लीपर बस ट्रक से टकराकर पलट गई, जिससे बस में सवार कई छात्र घायल हो गए और तीन छात्रों की मौत हो गई। तीनों ही जोधपुर लॉ यूनिवर्सिटी के विद्यार्थी बताए जा रहे हैं। गंभीर घायलों को डेह अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पंजाब में पुलिस व किसानों का टकराव

गुरदासपुर, 11 मार्च। दिल्ली-कटरा एक्सप्रेसवे के लिए जमीन अधिग्रहण को लेकर पंजाब के गुरदासपुर में आज किसानों और पुलिस के बीच टकराव हो गया। इसमें 7 किसानों के घायल हो गए। पुलिस की मदद से जिला प्रशासन की टीम किसानों

- दिल्ली -कटरा एक्सप्रैसवे के लिए ज़मीन अधिग्रहण के मसले पर यह टकराव हुआ, जिसमें 7 किसान घायल हो गए।

से जमीन खाली कराने पहुंची थी।

इस दौरान पुलिस ने किसानों की खड़ी फसल पर मशीन चला दी, जिससे उनकी फसल बर्बाद हो गई। अपनी फसलों को बचाने के लिए आए किसानों की पुलिस के साथ धक्कामुक्की हुई। बाद में पुलिस ने लाठीचार्ज कर किसानों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारी पड़ा एलन मस्क को, बार-बार "स्टारलिंक" की सेवा वापस लेने की धमकी देना

मस्क ने खुलकर कटाक्ष किया था कि अगर वे "स्टारलिंक" सेवा से यूक्रेन को वंचित कर दें तो यूक्रेन को एक दिन में आत्म समर्पण करना पड़ेगा

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 मार्च। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदोमिर ज़ैलैंस्की के साथ अमेरिका के अप्रिय व्यवहार के कारण, अमेरिका और यूरोप के आपसी रिश्तों में खटास आ गई है और अब इसका असर कॉर्पोरेट जगत पर भी पड़ने लगा है।

फ्रांस की सैटेलाइट कंपनियों तथा अमेरिकन सैटेलाइट कम्यूनिकेशन के बहुत बड़े नाम "स्टारलिंक", जिसके मालिक एलन मस्क हैं, ने एक-दूसरे के लिये तलवारें खींच ली हैं। यूरोपियन रक्षा इकाइयों के सैटेलाइट-आधारित कम्यूनिकेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर पर अमेरिकन कम्पनी की जबरदस्त पकड़ को हटाने के लिये यूरोपियन कम्पनियों की सक्रिय कोशिश शुरु हो गई है।

कुछ के दिल में एलन मस्ककी क्रोध भरी टिप्पणियाँ आशंकाएं पैदा कर रही है कि अगर वे यूक्रेन की रक्षा-इकाइयों के लिये अपने स्टारलिंक कम्यूनिकेशन नैटवर्क को बंद कर दें, तो यूक्रेन, रूस के खिलाफ एक दिन भी खड़ा नहीं रह सकेगा।

एलन मस्क का स्टारलिंक सैटेलाइट-आधारित कम्यूनिकेशंस नैटवर्क एक फ्रैंच कम्यूनिकेशन कम्पनी "यूटैलसैट" से उलझ रहा है। न्यूज़ रिपोर्ट्स के अनुसार, ऐसा प्रतीत होता है कि यूरोप के देश अपने स्टारलिंक बेस्ड

- यह कटाक्ष इतना चुभा यूरोपियन देशों को कि यूरोपियन देशों ने, फ्रैंच कम्युनिकेशन कंपनी यूटैलसैट पर अपनी सेना की संचार व्यवस्था शिफ्ट करने का निर्णय ले लिया।
- अब, विशेषकर ट्रम्प द्वारा मनमाने ढंग से विदेश नीति चलाने व दशकों से चली आ रही व्यवस्था को बदलने का निर्णय लेने से, यूरोपीय देश, अमेरिका को विश्वसनीय मित्र नहीं मान रहे।
- यूरोपीय देशों ने, विशेषकर पोलैंड ने मस्क की कम्पनी स्टारलिंक से नाता तोड़कर फ्रैंच कम्युनिकेशन कम्पनी पर अपना सारा कम्युनिकेशन सिस्टम शिफ्ट करना आरंभ कर दिया। यूरोप का सारा कम्युनिकेशन काम फ्रैंच कम्पनी पर शिफ्ट हो जाने से "स्टारलिंक" को भारी नुकसान होने की संभावना बनती है। अतः, अपनी कटाक्षपूर्ण धमकी से उत्पन्न स्थिति को संभालने के लिए मस्क खुद कूदे, यूरोपीय देशों को मनाने व मनुहार करने के लिये और उन्होंने सार्वजनिक तौर पर वादा किया कि वे कभी भी अचानक यूक्रेन को स्टारलिंक सेवा से वंचित नहीं करेंगे।

कम्यूनिकेशंस चैनलों को छोड़कर, यूटैलसैट के नैटवर्क से जल्दी से जल्दी जुड़ने का विचार बना रहे हैं।

यूरोपियन देशों की यह सोच डॉनल्ड ट्रम्प के नेतृत्व की सनकी प्रकृति तथा एक मित्र और सहयोगी के रूप में अमेरिका पर भरोसे के समाप्त हो जाने के कारण बनी है। यूक्रेन द्वारा स्टारलिंक के उपयोग पर मस्क की अनावश्यक टिप्पणियों से मस्क के सैटेलाइट-बेस्ड चैनलों का उपयोग करने वाले यूरोपियन देशों का सिरदर्द काफी बढ़ता जा रहा है।

मस्क की टिप्पणी की पोलैंड के विदेश मंत्री ने कड़ी आलोचना की है और कहा है कि यूक्रेन द्वारा मस्क के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)